

## इस अंक में...

- 8 | जैसी आस्था वैसा रास्ता
- 10 | समसामयिकी घटना संग्रह
- 12 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

## 20 आर्थिक घटना संग्रह

- भारतीय रिजर्व बैंक ने 5 एनबीएफसी का पंजीकरण रद्द किया
- फॉर्ब्स अमरीका से बाहर की सर्वाधिक शक्तिशाली महिलाओं की सूची में भारत की तीन महिलाएं
- बीज कम्पनी मोन्सैटो को जर्मन फर्म बेयर ने 66 अरब डॉलर में खरीदा
- फ्लैक्सी फण्ड का दुरुपयोग रोकने को दिशा-निर्देश जारी
- सीबीडीटी ने ई-निवारण सविधा का शुभारम्भ किया

## 25 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने चरखी दादरी को 22वाँ जिला घोषित किया
- गुन्थाला हरियाणा का पहला वाई-फाई हॉटस्पॉट गाँव बना
- भारत ने स्वयं को एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) से मुक्त घोषित किया
- केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने वस्तु और सेवा कर परिषद् के गठन को मंजूरी दी

## 28 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत ने फ्रांस के साथ 36 राफेल विमान खरीद हेतु हस्ताक्षर किए
- भारत और नेपाल ने सड़क बुनियादी ढाँचे में सुधार सहित तीन समझौते किए
- ब्रिटेन और ईरान ने 2011 के बाद राजदूतों की नियुक्ति की

## 31 खेल खिलाड़ी



- अन्तर्राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ ने कबड्डी विश्व कप, 2016 के लोगो का अनावरण किया
- रियो पैरालम्पिक खेलों में देवेन्द्र झाझरिया ने स्वर्ण पदक जीता

## 35 विज्ञान समाचार 36 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

## लेख

- 40 ऐतिहासिक लेख—मध्यकालीन भारत में तकनीकी विकास एवं सामाजिक परिवर्तन (750-1540 ई.) : विवेचनात्मक अध्ययन
- 41 पर्यावरणीय लेख—जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर आगे बढ़ती दुनिया वार्षिक रिपोर्ट 2015-16
- 84 अल्पसंख्यक कार्य क्षेत्र सम्बन्धी अनुसन्धान, विकास एवं कल्याण कार्यक्रमों में वृद्धि : एक दृष्टि में
- 86 प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 88 तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-79 का परिणाम
- 89 रोजगार अवसर

## हल प्रश्न-पत्र

- 42 आगामी आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक प्रवेशनरी ऑफिसर्स परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न
- 52 राजस्थान पटवार सीधी भर्ती प्रारम्भिक परीक्षा, 2015 स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया लिपिकीय संवर्ग परीक्षा, 2016
- 64 English Language
- 66 तर्कशक्ति
- 69 संख्यात्मक अभियोग्यता
- 73 आगामी आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक लिपिकीय संवर्ग (प्रारम्भिक) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे-इलेक्ट्रॉनिक, मेकैनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हर सम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सबसेस मिरर' की नहीं है.

- सम्पादक : महेन्द्र जैन
- रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2
- सम्पादकीय ऑफिस  
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने  
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005  
फोन- 4053333, 2531101, 2530966  
फैक्स- (0562) 4053330  
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in  
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in
- पटना ऑफिस  
पारस भवन (प्रथम तल),  
खजांची रोड,  
पटना- 800 004  
फोन- 0612-2673340  
मो- 09334137572
- हल्द्वानी ऑफिस  
8-310/1, ए. के. हाउस  
डीरानगर, हल्द्वानी,  
जिला-नैनीताल- 263 139  
(उत्तराखण्ड)  
मो- 07060421008
- इन्दौर  
63-64, कैलाश मार्ग,  
ग्राउण्ड फ्लोर,  
श्रीजी एवेन्यू, मलहारगंज,  
इन्दौर- 452 002 (म.प्र.)  
मो- 08899588088
- लखनऊ ऑफिस  
B-33, ब्लॉक स्क्वायर, कानपुर  
टैक्सि स्टैण्ड लेन, मवईया,  
लखनऊ- 226 004  
फोन- 0522-4109080  
मो- 09760181118
- नागपुर ऑफिस  
1461, जूनी शुक्रवारी,  
सक्करदरा रोड, हनुमान  
मन्दिर के सामने,  
नागपुर-440 009 (महाराष्ट्र)  
फोन- 0712-6564222  
मो- 09370877776
- दिल्ली ऑफिस  
4845, असारी रोड, दरियागंज,  
नई दिल्ली-110 002  
फोन- 011-23251844/66



आस्था यानि आन्तरिक अवस्था.

हमारी आन्तरिक अवस्था जैसी होगी वैसा ही हमारा रास्ता यानि जीवन का मार्ग हो जाएगा. जिसकी आन्तरिक अवस्था आनन्दमय है उसका पथ हरियाली भरा है, सुखपूर्ण है, तो इसके विपरीत जिसकी आन्तरिक अवस्था दुविधाग्रस्त निराशा भरी, शंका-संदेह से घिरी है उसके रास्ते पर शूल हैं, बाधाएं ही बाधाएं हैं.

अकसर लोग यह सवाल पूछते हैं कि हमारे मन में सोचे हुए काम पूरे क्यों नहीं होते? हम जैसा सोचते हैं उसके विपरीत क्यों होता है? शायद अब हम समझ गए होंगे कि ऐसा क्यों होता है? जब हम ही अपनी सोच के प्रति, चाहत के प्रति आश्वस्त नहीं होते, हम ही अपने आप में संदेहग्रस्त होते हैं कि ऐसा होगा या नहीं होगा? मैं कर पाऊँगा या नहीं कर पाऊँगा? मेरी किस्मत मेरा साथ देगी या नहीं देगी? इस तरह के समस्त संदेहपूर्ण विचार हमारी उपलब्धियों की राह को कठिन बना देते हैं इसीलिए हमें इस तथ्य को जानकर सँभल जाना चाहिए कि जैसी आस्था है हम जिसके प्रति आश्वस्त हैं, हम अपने विश्वासों में जितने स्पष्ट हैं उतने ही हम अपने विश्वासों को सफल होते देखेंगे.

अब आप सोच रहे होंगे कि भला कौन विद्यार्थी पास होना नहीं चाहता, भला कौन खिलाड़ी कांस्य, रजत या स्वर्ण पदक की इच्छा नहीं रखता, भला कौन तैराक प्रतियोगिता जीतना नहीं चाहता, भला कौन व्यापारी धनवान होना नहीं चाहता ..... हममें से प्रत्येक अपने-अपने विषय क्षेत्र में जीतना व सफल होना चाहते हैं, उसके लिए भरपूर मेहनत भी करते हैं फिर भी हममें से प्रत्येक सफल तो नहीं होता? ऐसा क्यों होता है? क्या सबकी किस्मत अलग-अलग है ? क्या हम अपने भाग्य से अधिक पा सकते हैं, जो भावी होनी है, सो होनी है ..... हम आस्था से उसे कैसे बदल सकते हैं?

तो हम स्पष्ट कहना चाहेंगे कि जी हाँ ! हम सबकी किस्मत अलग-अलग है और जो इंसान ऐसा सोचता है कि जो होना होगा ..... सो होगा ..... हमारे हाथ में तो कर्म करना है बाकी तो कुछ है नहीं ..... वे लोग जरूर समझें कि

कर्म करते हुए हमारे आन्तरिक विश्वास जिस तरह के हैं वे हमारे कर्म के परिणाम (Result) को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका बनाने वाले हैं. भविष्य भी हमारे संकल्पों का, हमारे इरादों का, हमारी भावनाओं का परिणाम होता है 'ऐसे में जो हमारा विश्वास एवं दृढ़ मनोभाव है वह हमारी किस्मत को निरन्तर बना या बिगाड़ रहा होता है, इसलिए मात्र इतना कहकर हम खुद गैर-जिम्मेदाराना रुख अख्तियार नहीं कर सकते कि जो होना होगा वह होकर रहेगा. यह बात कि 'जो होना होगा वह होकर रहेगा यानि जैसी होनी थी वैसा हुआ ..... तब कहने की है जब घटना घट चुकी है और अब हमारे दिल को तसल्ली देनी है ताकि हम अवसाद में न जाएं. तब स्वयं को या किसी अन्य को ऐसा कहकर हम उसको अपराध बोध से बाहर कर सकने में मददगार बन पाएंगे. अन्यथा व्यक्ति अपनी असफलता, हार या दुर्बलता को दोष देकर खुद को और अधिक कमजोर बना लेगा.